राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–267/2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है–राज्यपाल

पटना, 10 अक्टूबर, 2023 :– ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 देश को एक नई दिशा देनेवाली है तथा इसके कार्यान्वयन में शिक्षकों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके मन में यह भाव होना चाहिए कि राष्ट्र निर्माण हेतु ईश्वर प्रदत्त इस विशिष्ट दायित्व का निर्वहन उनकी जिम्मेदारी है।''–यह बातें माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आई०आई०टी०, पटना में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति ब्रिटिश शासन के हितों के अनुरूप थी और इससे भारत का काफी नुकसान हुआ। परन्तु, अब देश करवट ले रहा है और हमें इस परिवर्तन में सहभागी बनना है। आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमारा दायित्व है कि हम समय की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 देश को एक नई दिशा देनेवाली है। हमें इस महत्वपूर्ण दस्तावेज में निहित भावना को समझना होगा। उन्होंने इस नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ईश्वर ने उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक विशिष्ट कार्य के लिए चुना है। उन्हें इस दायित्व का निर्वहन पूर्ण मनोयोग के साथ जिम्मेदारीपूर्वक करना चाहिए।

कार्यक्रम को भारतीय शिक्षण मंडल के आयोजन सचिव श्री बी०आर० शंकरानन्द, आई०आई०एम०, बोधगया की निदेशक प्रो० विनीता सहाय एवं आई०जी०आई०एम०एस०, पटना के निदेशक डॉ० (प्रो०) बिन्दे कुमार ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर आई०आई०टी०, पटना के निदेशक प्रो० टी०एन० सिंह एवं अन्य प्राध्यापकगण, विभिन्न विश्वविद्यालयों के वर्तमान एवं पूर्व कुलपतिगण, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधिगण व शिक्षाविद् तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....